Divya Himachal Dt.02-09-2026

अब बंद कमरों से नहीं, स्कूलों से सीधे फीडबैक लेकर सुधरेगी परीक्षा प्रणाली

दिव्य हिमाचल ब्यूरो– धर्मशाला

हिमाचल प्रदेश में शिक्षा और परीक्षा व्यवस्था को अब और अधिक पारदर्शी, सरल और विद्यार्थी-केंद्रित बनाने की तैयारी है। इसके लिए नीतियां अब केवल मुख्यालयों में नहीं बनेंगी, बल्कि स्कूलों के जमीनी फीडबैक के आधार पर तय होंगी। हिमाचल प्रदेश स्कूल शिक्षा बोर्ड के अध्यक्ष डा. राजेश शर्मा ने इसी दिशा में कदम बढ़ाते हुए धर्मशाला के दो स्कूलों का दौरा किया और शिक्षकों व विद्यार्थियों से सीधा संवाद स्थापित किया। उन्होंने स्पष्ट किया कि इस सीधे संवाद से मिलने वाले सुझावों के आधार पर ही बोर्ड की आगामी कार्यप्रणाली में बड़े सुधार किए जाएंगे। बोर्ड

अध्यक्ष डॉ. राजेश शर्मा ने राजकीय उच्च विद्यालय ब्वायज धर्मशाला और गुरुकुल सीनियर सेकेंडरी स्कूल का दौरा कर शिक्षकों के साथ अहम बैठक की। इस दौरान राष्ट्रीय शिक्षा नीति के अनुरूप पाठ्यक्रम लागू करने, समयबद्ध तरीके से सिलेबस पूरा करने और एनसीईआरटी संसाधनों के बेहतरीन उपयोग पर मंथन हुआ। दौरे के दौरान बोर्ड अध्यक्ष ने विद्यार्थियों के बीच बैठकर उनकी समस्याएं सुनीं और उन्हें सफलता के टिप्स दिए।

दैनिक सवेरा टाइम्स
अंधेरे से उजाले की ओर...

स्कूलों के फीडबैक से बदलेगी बोर्ड की परीक्षा व्यवस्था

सवेरा न्यूज/यशपाल सिंह

धर्मशाला, 1 सितंबर : हिमाचल प्रदेश स्कूल शिक्षा बोर्ड अब परीक्षा और शिक्षा व्यवस्था में बदलाव के लिए स्कूलों से मिलने वाले फीडबैक को आधार बनाएगा। बोर्ड अध्यक्ष डॉ. राजेश शर्मा ने धर्मशाला के राजकीय उच्च विद्यालय (बॉयज) और गुरुकुल सीनियर सेकेंडरी स्कूल का दौरा कर शिक्षकों और विद्यार्थियों से सीधे संवाद किया। उन्होंने कहा कि बोर्ड की आगामी कार्यप्रणाली में जरूरी सुधार स्कूलों से मिले सुझावों के आधार पर किए जाएंगे। शिक्षकों के साथ बैठक में राष्ट्रीय शिक्षा नीति के अनुरूप पाठ्यक्रम लागू करने, समय पर सिलेबस

अध्यक्ष डॉ. राजेश शर्मा ने दो स्कूलों में शिक्षकों, विद्यार्थियों से किया संवाद ,एनपीई शिक्षण और मूल्यांकन में एकरूपता पर जोर

पूरा करने और एनसीईआरटी संसाधनों के बेहतर इस्तेमाल पर चर्चा हुई। बदलती शिक्षा व्यवस्था को देखते हुए डिजिटल और एआई आधारित शिक्षण को प्रभावी बनाने पर भी जोर दिया गया। परीक्षा व्यवस्था में उत्तर पुस्तिकाओं के मूल्यांकन, आंतरिक और प्रायोगिक परीक्षाओं में गुणवत्ता व एकरूपता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। परीक्षा ड्यूटी के दौरान ओएमआर शीट पर सही अंकन, सीसीटीवी निगरानी और नकल रोकने के नियमों का सख्ती से पालन करने को कहा। विद्यार्थियों के बीच पहुंचे बोर्ड अध्यक्ष ने उनकी समस्याएं सुनीं और परीक्षा की तैयारी, टाइम मैनेजमेंट व उत्तर पुस्तिका लिखने के तरीके बताए। उन्होंने छात्रों को परीक्षा तनाव से बचने, सकारात्मक सोच रखने और मोबाइल व सोशल मीडिया का संतुलित इस्तेमाल करने की सलाह दी। करियर विकल्पों, छात्रवृत्ति योजनाओं और प्रतियोगी परीक्षाओं को लेकर भी मार्गदर्शन दिया। डॉ. शर्मा ने कहा कि बोर्ड का लक्ष्य केवल परीक्षा कराना नहीं,

गुरुकुल स्कूल में पहुंचने पर शिक्षा बोर्ड अध्यक्ष डा . राजेश शर्मा के स्वागत करती महिलाएं।

बल्कि ऐसी शिक्षा और मूल्यांकन व्यवस्था विकसित करना है, जो विद्यार्थियों के ज्ञान, कौशल और आत्मविश्वास को मजबूत करे। पाठ्यपुस्तकों और परीक्षा केंद्रों की सुविधाओं को लेकर भी सुझाव लिए गए। उन्होंने कहा कि बोर्ड के हर सुधार के केंद्र में हिमाचल का विद्यार्थी रहेगा।

Himachal Dastak Dt.02-09-2026

प्रदेश स्कूल शिक्षा बोर्ड के अध्यक्ष डॉ. राजेश शर्मा ने धर्मशाला के 2 स्कूलों का किया दौरा

हिमाचल दस्तक ▮ धर्मशाला

प्रदेश में शिक्षा और परीक्षा व्यवस्था को अब और अधिक पारदर्शी, सरल और विद्यार्थी-केंद्रित बनाने की तैयारी है। इसके लिए नीतियां अब केवल मुख्यालयों में नहीं बनेंगी, बल्कि स्कूलों के जमीनी फीडबैक के आधार पर तय होंगी। हिमाचल प्रदेश स्कूल शिक्षा बोर्ड के अध्यक्ष डॉ. राजेश शर्मा ने इसी दिशा में कदम बढ़ाते हुए धर्मशाला के दो स्कूलों का दौरा किया और शिक्षकों व विद्यार्थियों से सीधा संवाद स्थापित किया।

▮ शिक्षकों व छात्रों से किया संवाद

उन्होंने स्पष्ट किया कि इस सीधे संवाद से मिलने वाले सुझावों के आधार पर ही बोर्ड की आगामी कार्यप्रणाली में बड़े सुधार किए जाएंगे। बोर्ड अध्यक्ष डॉ. राजेश शर्मा ने राजकीय उच्च विद्यालय (ब्वॉयज) धर्मशाला और गुरुकुल सीनियर सेकेंडरी स्कूल का दौरा कर शिक्षकों के साथ अहम बैठक की। इस दौरान राष्ट्रीय शिक्षा नीति के अनुरूप पाठ्यक्रम लागू करने, समयबद्ध तरीके से सिलेबस पूरा करने और एनसीईआरटी संसाधनों के बेहतरीन उपयोग पर मंथन हुआ। आधुनिक दौर की जरूरत को देखते हुए डिजिटल और एआई आधारित शिक्षण पर भी विशेष चर्चा की गई। डॉ. शर्मा ने परीक्षा व्यवस्था को लेकर कड़े निर्देश देते हुए कहा कि उत्तर पुस्तिकाओं के मूल्यांकन, आंतरिक और प्रायोगिक परीक्षाओं में गुणवत्ता सुनिश्चित होनी चाहिए।

हमारा लक्ष्य छात्रों के ज्ञान व कौशल को मजबूत करना

डॉ. राजेश शर्मा ने अपने विजन को स्पष्ट करते हुए कहा कि हमारा लक्ष्य केवल परीक्षा व्यवस्था को संचालित करना नहीं है, बल्कि एक ऐसी शिक्षा और मूल्यांकन प्रणाली विकसित करना है जो विद्यार्थी के ज्ञान, कौशल और आत्मविश्वास को मजबूत करे।

छात्र सोशल मीडिया का करें संतुलित इस्तेमाल

बोर्ड अध्यक्ष ने विद्यार्थियों के बीच बैठकर उनकी समस्याएं सुनी और उन्हें सफलता के टिप्स दिए। उन्होंने छात्रों को परीक्षा की तैयारी, बेहतर टाइम मैनेजमेंट और उत्तर-पुस्तिका लिखने के प्रभावी तरीकों के बारे में बताया आज के डिजिटल युग के खतरों से आगाह करते हुए डॉ. शर्मा ने युवाओं को परीक्षा के तनाव से बचने, सकारात्मक सोच रखने और मोबाइल व सोशल मीडिया का संतुलित उपयोग करने की सलाह दी।

Anant Gyan Dt.02-09-2026

शिक्षा बोर्ड के अध्यक्ष डॉ. राजेश ने धर्मशाला के 2 स्कूलों का किया दौरा

अनंत ज्ञान

ब्यूरो, धर्मशाला। हिमाचल प्रदेश स्कूल शिक्षा बोर्ड के अध्यक्ष डॉ. राजेश शर्मा ने शिक्षा और परीक्षा व्यवस्था को अधिक पारदर्शी, सरल एवं विद्यार्थी-केंद्रित बनाने की दिशा में धर्मशाला के दो स्कूलों का दौरा किया। उन्होंने राजकीय उच्च विद्यालय (ब्वॉयज) धर्मशाला और गुरुकुल सीनियर सेकेंडरी स्कूल में शिक्षकों व विद्यार्थियों से सीधा संवाद कर सुझाव लिए।

शिक्षकों के साथ बैठक में राष्ट्रीय शिक्षा नीति के अनुरूप पाठ्यक्रम, समयबद्ध सिलेबस, एनसीईआरटी संसाधनों के उपयोग तथा डिजिटल और एआई आधारित शिक्षण पर चर्चा हुई। बोर्ड अध्यक्ष ने उत्तर पुस्तिकाओं के मूल्यांकन, आंतरिक एवं प्रायोगिक परीक्षाओं में गुणवत्ता और एकरूपता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। परीक्षा ड्यूटी के दौरान ओएमआर शीट की सही मार्किंग, सीसीटीवी निगरानी और नकल रोकने के नियमों का कड़ाई से पालन करने को कहा। विद्यार्थियों से बातचीत के दौरान डॉ. शर्मा ने परीक्षा तनाव से बचने, समय प्रबंधन, उत्तर पुस्तिका लेखन और सकारात्मक सोच के बारे में मार्गदर्शन दिया।

उन्होंने मोबाइल व सोशल मीडिया के संतुलित उपयोग की सलाह देते हुए करियर विकल्पों, छात्रवृत्ति योजनाओं और प्रतियोगी परीक्षाओं की जानकारी भी दी। उन्होंने कहा कि बोर्ड का लक्ष्य केवल परीक्षाएं करवाना नहीं, बल्कि विद्यार्थियों के ज्ञान, कौशल और आत्मविश्वास को मजबूत करना है।

01 सितंबर, 2026 www.pehalinazar.com pehalinazarhp@gmail.com

हिमाचल बोर्ड : बंद कमरों से नहीं, अब स्कूलों से सीधे फीडबैक लेकर सुधरेगी परीक्षा प्रणाली

स्कूल शिक्षा बोर्ड के अध्यक्ष डॉ. राजेश शर्मा ने धर्मशाला के दो स्कूलों का किया दौरा

शिक्षकों-छात्रों से किया सीधा संवाद; बोले- 'हर सुधार का केंद्र होगा हिमाचल का विद्यार्थी'

पहली नजर ब्यूरो, धर्मशाला

हिमाचल प्रदेश में शिक्षा और परीक्षा व्यवस्था को अब और अधिक पारदर्शी, सरल और विद्यार्थी-केंद्रित बनाने की तैयारी है। इसके लिए नीतियां अब केवल मुख्यालयों में नहीं बनेंगी, बल्कि स्कूलों के जमीनी फीडबैक के आधार पर तय होंगी। हिमाचल प्रदेश स्कूल शिक्षा बोर्ड के अध्यक्ष डॉ. राजेश शर्मा ने इसी दिशा में कदम बढ़ाते हुए धर्मशाला के दो स्कूलों का दौरा किया और शिक्षकों व विद्यार्थियों से सीधा संवाद स्थापित किया। उन्होंने स्पष्ट किया कि इस सीधे संवाद से मिलने वाले सुझावों के आधार पर ही बोर्ड की आगामी कार्यप्रणाली में बड़े सुधार किए जाएंगे।

शिक्षकों से चर्चा : डिजिटल शिक्षण और मूल्यांकन पर जोर

बोर्ड अध्यक्ष डॉ. राजेश शर्मा ने राजकीय उच्च विद्यालय (बॉयज) धर्मशाला और गुरुकुल सीनियर सेकेंडरी स्कूल का दौरा कर शिक्षकों के साथ अहम बैठक की। इस दौरान राष्ट्रीय शिक्षा नीति के अनुरूप पाठ्यक्रम लागू करने, समयबद्ध तरीके से सिलेबस पूरा करने और एनसीईआरटी संसाधनों के बेहतरीन उपयोग पर मंथन हुआ। आधुनिक दौर की जरूरत को देखते हुए डिजिटल और एआई आधारित शिक्षण पर भी विशेष चर्चा की गई। डॉ. शर्मा ने परीक्षा व्यवस्था को लेकर कड़े निर्देश देते हुए कहा कि उत्तर पुस्तिकाओं के मूल्यांकन, आंतरिक और प्रायोगिक परीक्षाओं में गुणवत्ता और एकरूपता सुनिश्चित होनी चाहिए। साथ ही, परीक्षा ड्यूटी के दौरान ओएमआर शीट पर सही अंकन और सीसीटीवी की निगरानी व नकल रोकने के दिशा-निर्देशों का कड़ाई से पालन करने को कहा गया।

छात्रों को सफलता का मंत्र- तनाव से बचें, सोशल मीडिया का करें संतुलित इस्तेमाल

दौरे के दौरान बोर्ड अध्यक्ष ने विद्यार्थियों के बीच बैठकर उनकी समस्याएं सुनीं और उन्हें सफलता के टिप्स दिए। उन्होंने छात्रों को परीक्षा की तैयारी, बेहतर टाइम मैनेजमेंट और उत्तर-पुस्तिका लिखने के प्रभावी तरीकों के बारे में बताया। आज के डिजिटल युग के खतरों से आगाह करते हुए डॉ. शर्मा ने युवाओं को परीक्षा के तनाव से बचने, सकारात्मक सोच रखने और मोबाइल व सोशल मीडिया का संतुलित उपयोग करने की सलाह दी। इसके अलावा, छात्रों के सुनहरे भविष्य के लिए करियर विकल्पों, स्कॉलरशिप योजनाओं और प्रतियोगी परीक्षाओं पर भी मार्गदर्शन प्रदान किया गया।

हमारा लक्ष्य केवल परीक्षा कराना नहीं, समग्र विकास है

इस दौरान पाठ्यपुस्तकों और परीक्षा केंद्रों की सुविधाओं को लेकर सीधे सुझाव लिए गए। डॉ. राजेश शर्मा ने अपने विजन को स्पष्ट करते हुए कहा, 'हमारा लक्ष्य केवल परीक्षा व्यवस्था को संचालित करना नहीं है, बल्कि एक ऐसी शिक्षा और मूल्यांकन प्रणाली विकसित करना है जो विद्यार्थी के ज्ञान, कौशल और आत्मविश्वास को मजबूत करे।' उन्होंने जोर देकर कहा कि बोर्ड और विद्यालयों के बीच संवाद जितना मजबूत होगा, शिक्षा व्यवस्था उतनी ही बेहतर होगी। उन्होंने संकल्प दोहराया कि भविष्य में बोर्ड द्वारा तकनीक और सरलता की दिशा में किए जाने वाले हर सुधार के केंद्र में 'हिमाचल का विद्यार्थी' ही होगा।

Aapka Faisla Dt. 02-09-2026

हिमाचल बोर्ड: बंद कमरों से नहीं, अब स्कूलों से सीधे फीडबैक लेकर सुधरेगी परीक्षा प्रणाली

धर्मशाला, (आपका फैसला)। हिमाचल प्रदेश में शिक्षा और परीक्षा व्यवस्था को अब और अधिक पारदर्शी, सरल और विद्यार्थी-केंद्रित बनाने की तैयारी है। इसके लिए नीतियां अब केवल मुख्यालयों में नहीं बनेंगी, बल्कि स्कूलों के जमीनी फीडबैक के आधार पर तय होंगी। हिमाचल प्रदेश स्कूल शिक्षा बोर्ड के अध्यक्ष डॉ. राजेश शर्मा ने इसी दिशा में कदम बढ़ाते हुए धर्मशाला के दो स्कूलों का दौरा किया और शिक्षकों व विद्यार्थियों से सीधा संवाद स्थापित किया। उन्होंने स्पष्ट किया कि इस सीधे संवाद से मिलने वाले सुझावों के आधार पर ही बोर्ड की आगामी कार्यप्रणाली में बड़े सुधार किए जाएंगे। शिक्षकों से चर्चा: NEP, डिजिटल शिक्षण और मूल्यांकन पर जोर बोर्ड अध्यक्ष डॉ. राजेश शर्मा ने राजकीय उच्च विद्यालय (बॉयज) धर्मशाला और गुरुकुल सीनियर सेकेंडरी स्कूल का दौरा कर शिक्षकों के साथ अहम बैठक की। इस दौरान राष्ट्रीय शिक्षा नीति (NEP) के अनुरूप पाठ्यक्रम लागू करने, समयबद्ध तरीके से सिलेबस पूरा करने और एनसीईआरटी (NCERT) संसाधनों के बेहतरीन उपयोग पर मंथन हुआ। आधुनिक दौर की जरूरत को देखते हुए डिजिटल और एआई (AI) आधारित शिक्षण पर भी विशेष चर्चा की गई। डॉ. शर्मा ने परीक्षा व्यवस्था को लेकर कड़े निर्देश देते हुए कहा कि उत्तर पुस्तिकाओं के मूल्यांकन, आंतरिक और प्रायोगिक परीक्षाओं में गुणवत्ता और एकरूपता सुनिश्चित होनी चाहिए। साथ ही, परीक्षा ड्यूटी के दौरान ओएमआर (OMR) शीट पर सही अंकन और सीसीटीवी की निगरानी व नकल रोकने के दिशा-निर्देशों का कड़ाई से पालन करने को कहा गया। छात्रों को सफलता का मंत्र: तनाव से बचें, सोशल मीडिया का करें संतुलित इस्तेमाल, दौरे के दौरान बोर्ड अध्यक्ष ने विद्यार्थियों के बीच बैठकर उनकी समस्याएं सुनीं और उन्हें सफलता के टिप्स दिए। उन्होंने छात्रों को परीक्षा की तैयारी, बेहतर टाइम मैनेजमेंट और उत्तर-पुस्तिका लिखने के प्रभावी तरीकों के बारे में बताया। आज के डिजिटल युग के खतरों से आगाह करते हुए डॉ. शर्मा ने युवाओं को परीक्षा के तनाव से बचने, सकारात्मक सोच रखने और मोबाइल व सोशल मीडिया का संतुलित उपयोग करने की सलाह दी। इसके अलावा, छात्रों के सुनहरे भविष्य के लिए करियर विकल्पों, स्कॉलरशिप योजनाओं और प्रतियोगी परीक्षाओं पर भी मार्गदर्शन प्रदान किया गया। हमारा लक्ष्य केवल परीक्षा कराना नहीं, समग्र विकास है। इस दौरान पाठ्यपुस्तकों और परीक्षा केंद्रों की सुविधाओं को लेकर सीधे सुझाव लिए गए। डॉ. राजेश शर्मा ने अपने विजन को स्पष्ट करते हुए कहा, हमारा लक्ष्य केवल परीक्षा व्यवस्था को संचालित करना नहीं है, बल्कि एक ऐसी शिक्षा और मूल्यांकन प्रणाली विकसित करना है जो विद्यार्थी के ज्ञान, कौशल और आत्मविश्वास को मजबूत करे। उन्होंने जोर देकर कहा कि बोर्ड और विद्यालयों के बीच संवाद जितना मजबूत होगा, शिक्षा व्यवस्था उतनी ही बेहतर होगी। उन्होंने संकल्प दोहराया कि भविष्य में बोर्ड द्वारा तकनीक और सरलता की दिशा में किए जाने वाले हर सुधार के केंद्र में हिमाचल का विद्यार्थी ही होगा।

AMAR UJALA DT.02-09-2026

योजना | बोर्ड अध्यक्ष ने दो स्कूलों का दौरा कर शिक्षकों-छात्रों से किया संवाद

सुधार के लिए स्कूलों से फीडबैक लेगा बोर्ड

धर्मशाला। हिमाचल प्रदेश स्कूल शिक्षा बोर्ड अब परीक्षा और शिक्षा व्यवस्था में सुधार के लिए स्कूलों से सीधे फीडबैक लेगा। नीतियां केवल मुख्यालय स्तर पर तय करने के बजाय स्कूलों से मिलने वाले सुझावों के आधार पर तैयार की जाएंगी।

इसी कड़ी में बोर्ड अध्यक्ष डॉ. राजेश शर्मा ने धर्मशाला के राजकीय उच्च विद्यालय (छात्र) और गुरुकुल सीनियर सेकेंडरी स्कूल का दौरा कर शिक्षकों व विद्यार्थियों से संवाद किया।

शिक्षकों के साथ बैठक में राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी-2020) के अनुरूप पाठ्यक्रम लागू करने, समय पर सिलेबस पूरा करने और एनसीईआरटी संसाधनों के प्रभावी उपयोग पर चर्चा की गई।

मूल्यांकन में एकरूपता, एआई शिक्षण और नकल रोकने के कड़े नियमों पर दिया जोर

इसके अलावा डिजिटल व एआई आधारित शिक्षण को बढ़ावा देने, उत्तर पुस्तिकाओं के मूल्यांकन तथा प्रायोगिक परीक्षाओं में एकरूपता बनाए रखने के निर्देश दिए गए।

अध्यक्ष ने परीक्षा ड्यूटी के दौरान ओएमआर शीट के सही अंकन, सीसीटीवी निगरानी और नकल रोकने के नियमों का कड़ाई से पालन सुनिश्चित करने को कहा।

उन्होंने विद्यार्थियों के बीच बैठकर उनकी समस्याएं सुनीं और उन्हें परीक्षा की तैयारी, टाइम मैनेजमेंट तथा उत्तर पुस्तिका लिखने के प्रभावी तरीके बताए।

उन्होंने कहा कि बोर्ड का लक्ष्य सिर्फ परीक्षा करवाना नहीं, बल्कि ऐसी मूल्यांकन व्यवस्था बनाना है जिससे छात्रों के ज्ञान, कौशल और आत्मविश्वास को मजबूती मिले। ब्यूरो

Dainik Jagran Dt. 02-09-2026

अब स्कूलों से सीधे फीडबैक लेकर सुधरेगी परीक्षा प्रणाली

जागरण संवाददाता, धर्मशाला: हिमाचल प्रदेश में शिक्षा और परीक्षा व्यवस्था को पारदर्शी, सरल और विद्यार्थी-केंद्रित बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाए जा रहे हैं। अब नीतियां मुख्यालयों में नहीं, बल्कि स्कूलों के फीडबैक के आधार पर बनाई जाएंगी। स्कूल शिक्षा बोर्ड के अध्यक्ष डा. राजेश शर्मा ने धर्मशाला के दो स्कूलों का दौरा कर शिक्षकों और विद्यार्थियों से संवाद किया। उन्होंने कहा कि इस संवाद से मिलने वाले सुझावों के आधार पर बोर्ड की कार्यप्रणाली में सुधार किए जाएंगे। डा. शर्मा ने राजकीय उच्च विद्यालय (ब्वायज) और गुरुकुल सीनियर सेकेंडरी स्कूल का दौरा कर शिक्षकों के साथ बैठक की। इस दौरान कई मुद्दों पर गंभीर चर्चा भी की।

Exam system to improve through direct feedback from schools, not just closed-door decisions: Dr. Rajesh Sharma

SANJAY AGGARWAL

DHARAMSHALA SEP 1 : Preparations are underway to make the education and examination system in Himachal Pradesh more transparent, simplified, and student-centric. Policies will no longer be formulated solely at headquarters; instead, they will be shaped by ground-level feedback from schools. Taking a step in this direction, Dr. Rajesh Sharma, Chairman of the Himachal Pradesh Board of School Education, visited two schools in Dharamshala and engaged in direct dialogue with teachers and students. He clarified that major improvements to the Board's future operations would be based on suggestions gathered through these direct interactions. Dr. Sharma visited Government High School (Boys), Dharamshala, and Gurukul Senior Secondary School, holding crucial meetings with the teaching staff. Discussions focused on implementing the curriculum in line with the National Education Policy (NEP), completing the syllabus on schedule, and optimizing the use of NCERT resources. Special emphasis was also placed on digital and AI-based teaching methods to meet modern-day requirements. Issuing strict directives regarding the examination system, Dr. Sharma emphasized the need to ensure quality and uniformity in the evaluation of answer sheets as well as in internal and practical examinations.Furthermore, strict adherence to guidelines regarding accurate marking on OMR sheets, CCTV surveillance, and the prevention of cheating during exam duties was mandated. During the visit, the Board Chairman sat with the students to listen to their concerns and share tips for success. He advised them on exam preparation, effective time management, and strategies for writing answer sheets efficiently. Cautioning against the pitfalls of the digital age, Dr. Sharma encouraged the youth to avoid exam-related stress, maintain a positive mindset, and use mobile phones and social media in a balanced manner. Additionally, guidance was provided on career options, scholarship schemes, and competitive examinations to help ensure a bright future for the students. Direct feedback regarding textbooks and the facilities available at examination centers was also sought during the visit. Articulating his vision, Dr. Rajesh Sharma said, "Our goal is not merely to administer the examination system, but to develop an education and assessment framework that strengthens a student's knowledge, skills, and self-confidence." He emphasized that the stronger the communication between the Board and the schools, the better the education system would become. He reiterated the pledge that the 'student of Himachal' would remain at the core of every future reform undertaken by the Board to enhance technology and simplify processes.

SEPTEMBER 02, 2026 WEDNESDAY HIMACHAL PRADESH

The Sunny Times

HIMACHAL SCHOOL BOARD DUMPS BOARDROOMS TO BUILD SMARTER, AI-READY EXAMS DIRECTLY FROM CLASSROOMS

Sunny Mahajan | Dharamshala

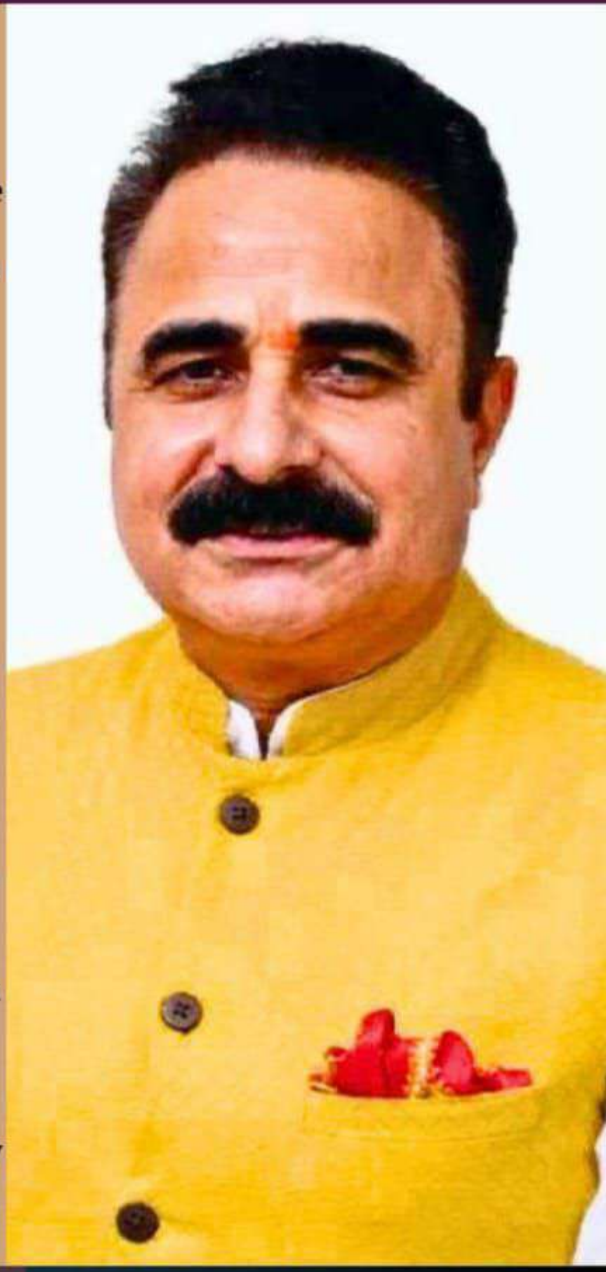

In a sharp departure from traditional top-down policy-making, the Himachal Pradesh Board of School Education is stepping out of bureaucratic echo chambers and directly into classrooms to overhaul the state's examination machinery. HPBOSE Chairman Dr. Rajesh Sharma signaled this student-first revolution during surprise visits to Government High School (Boys) and Gurukul Senior Secondary School in Dharamshala, taking candid feedback from the very people who live through the system every day: teachers and students.

The message was clear—real reform happens on the ground, not behind closed executive doors. During high-impact sessions with educators, Dr. Sharma pushed for rapid alignment with the National Education Policy, smarter use of NCERT digital assets, and the urgent integration of AI-driven teaching tools into daily instruction. Alongside tech upgrades, he laid down a strict zero-tolerance law for evaluation integrity, demanding foolproof OMR processing, hawk-eyed CCTV surveillance against cheating, and uncompromised consistency across all internal, practical, and final paper grading.

Turning his focus to the students, Dr. Sharma took a front-row seat to tackle modern classroom anxieties head-on. He handed out actionable strategies on time management, answer-writing finesse, competitive exam prep, and navigating scholarship pipelines. Recognizing the hidden toll of digital distractions, he challenged youngsters to rein in mindless social media scrolling, conquer exam stress, and stay laser-focused on their long-term career goals. Reaffirming that the student remains the heartbeat of every future board initiative, Dr. Sharma declared that the ultimate mission is not just conducting clean exams, but forging a fearless, future-ready generation equipped with genuine skills and unbreakable confidence.